

प्रेषक:

एनटरप्राइजमल ब्याज,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी,  
मैनीलाल।

राज्य विभाग

देहरादून: दिनांक 24 अप्रैल, 2008

विषय: ईलेक्ट्रिक इन्टरनेशनल प्रा0लि0 को बांसा आवासित उद्योग हेतु बांग भदमपुर रॉडिना तहसील कालाबूंगी में कुल 4,182 ई0 भूमि कर की अनुमति प्रदान किये जाने के सम्बन्ध में है।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-742/12 पीड0ए0सी0 दिनांक 25-2-2008 को सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय ईलेक्ट्रिक इन्टरनेशनल प्रा0लि0 को बांसा आवासित उद्योग की स्थापना हेतु उत्तरांचल (उद्योग जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950) (अनुसूचन एवं उपान्तरण आदेश, 2001) (संशोधन) अधिनियम, 2003 दिनांक 15-1-2004 को धारा-154(1)(3)(फ)(V) के अन्तर्गत राष्ट्रीय कालाबूंगी के बांग भदमपुर रॉडिना में कुल 4,182 ई0 भूमि कर करने की अनुमति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के साथ प्रदान करते हैं:-

- 1- केंद्रा धारा-129-ख के अधीन विशेष श्रेणी का भूमिगत बना रहेगा और ऐसा भूमिगत भविष्य में केवल राज्य सरकार या जिले के फ्लैक्टर, जैसी भी स्थिति हो, की अनुमति से ही भूमि कर करने के लिये आइ होगा।
- 2- केंद्रा बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण प्राप्त करने के लिये अपनी भूमि नक्का या दृष्टि चित्रित कर सार्वजनिक तथा धारा-129 के अन्तर्गत भूमिदारी अधिकारों से प्राप्त होने वाले अन्य लाभों को भी ग्रहण कर सकेगा।
- 3- केंद्रा द्वारा कर की गई भूमि का उपयोग दो वर्ष की अवधि के अन्दर, जिसकी गणना भूदे के विकसित लिख के पंजीकरण की तिथि से की जायेगी अथवा उसके बाद ऐसी अवधि के अन्दर जिसको राज्य सरकार द्वारा ऐसे कारणों से जिन्हें लिखित रूप में अभिलिखित किया जायेगा, उसी प्रयोजन के लिये चलेगा जिसके लिये अनुज्ञा प्रदान की



नहीं है। यदि यह सेवा नहीं करता अथवा इस भूमि का उपयोग जिला के लिये नहीं प्रयोज्य होगा तो, उससे निम्न किसी अन्य प्रयोजन हेतु करता है अथवा जिस प्रयोजन को अन्य प्रिया गया था उससे निम्न प्रयोजन के लिये विक्रय, उपहार या अन्यथा भूमि का अंतरण करता है तो ऐसा अंतरण चरित अधिनियम के प्रयोजन हेतु शुद्ध ही समझा और धारा-167 के परिणाम लागू होंगे।

4- जिस भूमि का उपयोग प्रस्तावित है उसके भूस्वामी अनुसूचित जाति के न हों और अनुसूचित जाति के भूमिदार होने की स्थिति में भूमि का से पूर्व सम्बन्धित जिलाधिकारी से निम्नानुसार अनुमति प्राप्त की जायेगी।

5- जिस भूमि का उपयोग प्रस्तावित है उसके भूस्वामी असहिष्णुता अधिनियम के अन्तर्गत भूमिदार न हों।

6- इसका भूमि पर कानूनीय द्वारा टिश्यू कल्वर नर्सरी, हाईटेक नर्सरी एवं इकोटूरिज्म से सम्बन्धित कार्य हो किये जायेंगे।

7- स्थापित किये जाने वाले उत्तरीयों में उत्तरांचल के निवासियों को 70 प्रतिशत रोजगार/संसाधन उपलब्ध कराया जायेगा।

8- समीक्षा शर्त/प्रतिबन्धों का चर्चाना होने पर अथवा किसी अन्य कारणों से जिस कारण से यह सम्बन्धित है, प्रस्तावित स्थिति निरस्त कर दी जायेगी।

कृपया सदनुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय

(1705/2020/नमल/नमल)  
प्रमुख सचिव।

सीक्या एल सदुपनिर्देश।

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- मुख्य सचिव आनुवा, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- आसुक्त, अनुसूच, मण्डल, मनीषाल।
- 3- प्रमुख सचिव, एकाधिकारी/उपरी/उत्तरांचल शासन।
- 4- मुख्य जन सचिव/कार्यकारी अधिकारी, उत्तरांचल ग्राम एवं सेवा विकास मंत्रालय, देहरादून।
- 5- मुख्य प्रतिभोजन प्रानाक, उत्तरांचल ग्राम फाउण्डेशन, देहरादून।
- 6- श्री मीरपीपीलान, सचिवदार इलेक्ट्रॉनिक इन्फरमेशनल साइंस नोएडा उआओ।
- 7- निदेशक, एनएआईसी, उत्तरांचल सचिवालय।
- 8- मार्ग-पथ।

आज्ञा है

(सचिव, नमल)